

Project JIVIKA women felicitated by Vedanta ESL CSR

Bokaro | 18 March 2023 - The CSR team of Vedanta ESL organised a felicitation ceremony for SHG members associated with Project JIVIKA, an initiative for socio-economic empowerment of women, for completion of their training in mushroom cultivation and tailoring trade, duly certified by National Skill Development Council (NSDC).

Around 180 females successfully completed the training programmes. Key stakeholders from government and nearby villages including Mr. Dharendra Singh (BPM – JSLPS, Bokaro), Mr. Pradeep Turi (Mukhiya, Madhuniya Panchayat), Mr. Premchand Manjhi (Sarpanch, Madhuniya Panchayat) and Mr. Santosh Rawani, (Mukhiya, Siyaljori Panchayat) graced the event with their presence along with Mr. Rakesh Mishra (Dy. Head CSR, ESL). The SHG Members were awarded with certificates and kits and were appreciated for their hard work for active participation in skill development activities.

The steps taken by Vedanta ESL CSR for empowering the women in the society were praised by the stakeholders, as it takes forward the idea of a self-reliant India where men and women equally contribute towards the development of the nation.

वेदांता ईएसएल सीएसआर द्वारा प्रोजेक्ट जीविका महिलाओं को सम्मानित किया गया

बोकारो | 18 मार्च 2023 - वेदांता ईएसएल की सीएसआर टीम ने प्रोजेक्ट जीविका से जुड़े स्वयं सहायता समूह महिलाओं के लिए एक सम्मान समारोह आयोजित किया। उन्हें मशरूम उत्पादन और सिलाई व्यापार में प्रशिक्षण को पूरा करने के लिए सर्टिफिकेट दिया गया जो नेशनल स्किल डेवलपमेंट काउंसिल (एनएसडीसी) द्वारा प्रमाणित है।

लगभग 180 महिलाओं ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा किया। सरकार और आसपास के गांवों के प्रमुख हितधारक जैसे श्री धीरेंद्र सिंह (बीपीएम - जेएसएलपीएस, बोकारो), श्री प्रदीप तुरी (मुखिया, मधुनिया पंचायत), श्री प्रेमचंद मांझी (सरपंच, मधुनिया पंचायत) एवं श्री संतोष रवानी, (मुखिया, सियालजोरी पंचायत) सहित श्री राकेश मिश्रा (उप प्रमुख सीएसआर, ईएसएल) ने इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। एसएचजी सदस्यों को प्रमाण पत्र और किट से सम्मानित किया गया और कौशल विकास गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए उनकी कड़ी मेहनत की सराहना की गई।

समाज में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए वेदांता ईएसएल सीएसआर द्वारा उठाए गए कदमों की सभी ने प्रशंसा की क्योंकि यह एक आत्मनिर्भर भारत के विचार को आगे बढ़ाता है जहां पुरुष और महिलाएं समान रूप से राष्ट्र के विकास में योगदान करते हैं।